>

Title: Need to set up a Bench of Allahabad High Court at Meerut or Moradabad.

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क़ (सम्भल): सरकार का ध्यान मैं उत्तर प्रदेश की हाईकोर्ट बेंच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अभी तक न खोले जाने की तरफ दिलाना चाहता हूं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 20 जिलों के मुवक्किल लगभग 800 कि.मी. तक का सफर तय करके इलाहाबाद हाईकोर्ट या लखनऊ पहूंचते हैं जो कि बेहद दुखदायी है। लगभग् 17 करोड़ की आबादी वाले इस सूबे में इलाहाबाद के पास ही लखनऊ में एक बेंच है जबकि मिजोरम जैसे 7 लाख की आबादी वाले सूबे में भी एक बैंच है। इलाहाबाद/लखनऊ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों से ज्यादा होने से मुवक्किल टाइम से भी वहां नहीं पहूंच पाते हैं और उनके केस पेंडिंग हो जाते हैं। अभी भी लगभग् 15 लाख केस उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट में पेंडिंग हैं जो कि चिंता का विषय है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हाईकोर्ट की नई बेंच खोले जाने की तैयारी में नई बिल्डिंग भी बनकर तैयार है। इन जिलों की स्थानयी जनता व वकील संगठन बरसों से धरने प्रदर्शन व भूख हड़ताल वगैरह करते आ रहे हैं लेकिन सरकार इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है। जो कि ठीक नहीं है।

मेरी सरकार से मांग है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जनता व मुवक्किलों (वकीलों) की परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए मेरठ या मुरादाबाद में उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट की बेंच फौरन खोलने की मेहरबानी करें।